This question paper contains 4+2 printed pages]

HPAS (M)—2014

HINDI LITERATURE

Paper II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 150*

Note :— कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न क्रमांक 10 अनिवार्य है। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. भारतीय समाज में कबीर का महत्त्व क्या है ? 'कबीर ग्रंथावली' को ध्यान में रखते हुए विचार कीजिए। 30

2. ''सूरदास एक दार्शनिक कवि हैं।'' क्या आप इस बात से सहमत हैं ? 'भ्रमरगीत सार' के आधार पर विश्लेषण कीजिए। 30

3. भक्ति-काव्य में 'रामचरितमानस' के अयोध्याकाण्ड का महत्त्व क्या है ? मूल्यांकन कीजिए। 30

P.T.O.

4. 'अँधेर नगरी' के आधार पर तत्कालीन राजनीतिक शासनतंत्र की समीक्षा कीजिए। 30

5. भारतीय ग्रामीण समाज को समझने में 'गोदान' हमारी किस प्रकार मदद करता है ? विचार कीजिए। 30

6. 'राम की शक्तिपूजा' में भारतीय दर्शन का कौनसा रूप अभिव्यक्त हुआ है ? विवेचन कीजिए। 30

7. 'अज्ञेय एक आधुनिक कथाकार हैं।' 'शेखर : एक जीवनी' के आधार पर उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिए। 30

8. समकालीन हिंदी काव्य में नागार्जुन का महत्त्व क्या है ? पठित रचनाओं के आधार पर विचार कीजिए। 30

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर विवेचनात्मक निबंध लिखिए : 30

(क) मानसरोवर (भाग–एक)।

(ख) अंधेरे में।

(ग) पटकथा।

(घ) जयशंकर प्रसाद।

10. निम्नलिखित अवतरणों की व्याख्या कीजिए : 15×2=30

(क) तुम्ह सब सुअन सुकृत जेहि दीन्हें।
उचित न तासु निरादरु कीन्हें॥
लागहि कुमुख बचन सुभ कैसे।
मगहँ गयादिक तीरथ जैसे॥
रामहि मातु बचन सब भाए।
जिमि सुरसरि गत सलिल सुहाए॥

अथवा

मैं रहूँगा सामने (तसवीर में) पर मूक

सांध्य नभ में पश्चिमांत—समान

लालिमा का जब करुण आख्यान

सुना करता हूँ सुमुखि उस काल

याद आता तुम्हारा सिंदुरतिलकित भाल

(ख) गोबरधन दास :

(घबड़ाकर) हैं! यह आफत कहाँ से आयी ! अरे भाई, मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है जो मुझ को पकड़ते हो ?

पहला प्यादा :

आपने बिगाड़ा है या बनाया है इससे क्या मतलब, अब चलिए। फाँसी चढ़िए।

गोबरधन दास :

फाँसी ! अरे बाप रे बाप फाँसी ! मैंने किसकी जमा लूटी है कि मुझको फाँसी ! मैंने किसके प्राण मारे कि मुझको फाँसी !

दूसरा प्यादा :

आप बड़े मोटे हैं, इस वास्ते फाँसी होती है।

गोबरधन दास :

मोटे होने से फाँसी ? यह कहाँ का न्याय है ! अरे, हँसी फकीरों से नहीं करनी होती।..... भगवान के यहाँ क्या जवाब दोगे ?

पहला प्यादा :

भगवान को जवाब राजा देगा। हमको क्या मतलब। हम तो हुक्मी बन्दे हैं।

अथवा

फाँसी !

जिस जीवन को उत्पन्न करने में हमारे संसार की सारी शक्तियाँ, हमारे विकास, हमारे विज्ञान, हमारी सभ्यता द्वारा निर्मित सारी क्षमताएँ या औजार असमर्थ हैं, उसी जीवन को छीन लेने में, उसी का विनाश करने में, ऐसी भोली हृदय-हीनता—फाँसी !